पुस्तक समीक्षा

पुस्तक का नाम– दोस्त

लेखक– अकरम गासेमपोर

कला– नसीम आज़ादी

अनुवाद– सीमा

''दोस्त'' कहानी को कक्षा में इस्तेमाल किया व इस प्रकार मुझे इसके बारे में वह बातें ज्ञात हुईं जो किताब को सिर्फ़ पढ़कर नहीं ज्ञात हो सकती थीं।

कहानी का शीर्षक अच्छा है और इस पर बच्चों के साथ बात की जा सकती है कि वे इस शीर्षक से क्या अनुमान लगा रहे हैं कि कहानी किसके बारे में होगी? मुख्यपृष्ठ पर चित्र देखकर उनकी क्या समझ बन रही है आदि आदि। दोस्त शीर्षक मात्र से बच्चों मे बहुत उत्साह आया और उस पर बात भी की जा सकी। कहानी एक लड़की के बारे में है जो देख नहीं सकती लेकिन बहुत कुछ कर सकती है, दोस्त बना सकती है, महससू कर सकती है, लोगों को प्यार कर सकती है और बग़ैर देखे चित्र भी बना सकती है। कहानी से कुछ गतिविधियाँ भी करवाई जा सकती हैं। इसका चित्रांकन ऐसा है कि बच्चों का कहानी में उत्साह बना रहता है। कहानी का अनुवाद बहुत सहज और सरल है। कहानी बच्चों को जोड़े रख पा रही थी।

लेखक की भाषा भौली बहुत ही अच्छी है। लेकिन अगर टेक्स्ट के फॉन्ट थोड़े बड़े होते तो बच्चों को पढ़ने में थोड़ा और सहजता होती। शिक्षक के बगैर छोटे बच्चों के लिए कहानी पढ़ पाना मुश्किल है। इसे अगर बच्चों के हाथ में पढ़ने को दिया जाए तो शायद बच्चे इसे उतना अधिक दिलचस्प नहीं महसूस कर पाएँगे लेकिन सुनाने की कला के साथ यह कहानी बहुत बेहतरीन तरीके से सुनाई जा सकती है।